**प्रेस विज्ञप्ति**

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
# पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## विश्वविद्यालय में 17वीं एग्रीकल्चर साइंस कांग्रेस को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित

पन्तनगर। 18 फरवरी 2025। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा 20–22 फरवरी 2025 को आयोजित होने वाली 17वीं एग्रीकल्चर साइंस कांग्रेस के संबंध में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने की। कुलपति ने बताया कि यह प्रतिष्ठित कृषि विज्ञान सम्मेलन जिसको **कृषि कुम्भ** के नाम से जाना जा रहा है, का आयोजन राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है, जिसमें 3,500 से अधिक डेलिगेट प्रतिभाग करेंगे। इस सम्मेलन में नीति निधारण कर्ता, वैज्ञानिक, छात्र, किसान एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि प्रतिभाग करेंगे। तीन–दिवसीय सम्मेलन में कुल 11 विभिन्न विषयों के अन्तर्गत तकनीकी सत्र आयोजित किये जायेंगे इसके अलावा इसमें हिल एग्रीकल्चर एवं मौन पालन पर विशेष सत्र का भी आयोजन किया जायेगा। इस सम्मेलन का राष्ट्र स्तर पर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें कि गयी संस्तुतियों के आधार पर देश की कृषि के लिए नीतिगत निर्णय लिये जाते है। कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय की विभिन्न उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला गया और उन्होंने कहा कि पन्तनगर विश्वविद्यालय देश का एक मात्र कृषि विश्वविद्यालय है जिसे क्यूएस वर्ल्ड रैंकिग में 311वां स्थान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय निरंतर शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करता रहा है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के दौरान माननीय प्रधानमंत्री का संदेश वीडियो के माध्यम से प्रसारित किया जायेगा। सम्मेलन के प्रथम दिन 20 फरवरी 2025 को उत्तराखण्ड राज्य के माननीय राज्यपाल मुख्य अतिथि होंगे और उत्तराखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री 21 फरवरी 2025 को सम्मेलन की शोभा बढ़ायेंगे तथा 22 फरवरी 2025 को उत्तराखण्ड के कृषि मंत्री समापन सत्र में मुख्य अतिथि होंगे। इस सम्मेलन में कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, भारत सरकार के सचिव एवं भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के महानिदेशक डा. हिमांशु पाठक, मुधन्य वैज्ञानिक प्रो. आर.वी. सिंह, पूर्व महानिदेशक आईसीएआर डा. आर.एस. परोडा, डा. पंजाब सिंह तथा राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के सचिव डा. डब्लू एस लाकरा एवं डा. ए.के. सिंह, डा. मनीष शाह, अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक, एनडीडीबी आनन्द एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक, सहायक महानिदेशक एवं विभिन्न संस्थानों के निदेशक एवं उनके प्रतिनिधि प्रतिभाग करेंगे। पंतनगर विश्वविद्यालय ही देश का प्रथम कृषि संस्थान है जिसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (छम्च्) को पूरी तरह से अपनाया। विश्वविद्यालय फसल की ही नही अपितु फसलों के संरक्षण पर भी महत्वपूर्ण कार्य किया है जिसमें कि गाय की बद्री नस्ल एवं बकरी की पंतजा एवं चौगरखा नस्ले प्रमुख है। विश्वविद्यालय द्वारा कार्य संचालन में पार्दशिता बनाये रखने हेतु ई–फाईल द्वारा पत्रावलियों का द्रुत गति से निस्तारण किया जा रहा है और गुड गवर्नेंस मॉडल को अपनाकर प्रशासनिक सुधार किये गये है तथा विश्वविद्यालय के आधार भूत ढांचों में भी सुधार किया गया है।

निदेशक शोध एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डा. ए.एस. नैन द्वारा सम्मेलन के विषय में विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में विभिन्न तकनीकी सत्रों के अलावा चार पैनल डिस्कशन, छः सिम्पोजिया तथा एक कार्यशाला, स्टाटप फन्डींग एवं जॉब फेयर, इन्टर यूनिवर्सिटी स्टूडेन्ट एलोक्योशन कान्डेस्ट, एएससी एग्री एक्पो 2025 का आयोजन किया जायेगा। सम्मेलन में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, फ्रांस, स्लोविनिया समेत कई देशों से वैज्ञानिक एवं शोध छात्र प्रतिभाग करेंगे साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान जैसे इक्रीसेट, एफएओ, इलरी आदि अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के वैज्ञानिक/अधिकारी भी प्रतिभाग करेंगे।

प्रेसवार्ता का आयोजन विश्वविद्यालय के संचार निदेशालय द्वारा आयोजित कराया गया। इस अवसर पर निदेशक संचार डा. जे.पी. जायसवाल द्वारा सभी उपस्थित का स्वागत करते हुए 17वें कृषि विज्ञान सम्मेलन का फरवरी 20–22, 2025 के मध्य आयोजन एवं इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधियों से इस अति महत्वपूर्ण आयोजन के विस्तृत कवरेज की अपेक्षा की गयी। इस अवसर पर विभिन्न मीडिया हाऊस के सम्मानित प्रतिनिधि तथा संचार निदेशालय की सहायक निदेशक डा. अर्पिता शर्मा काण्डपाल उपस्थित थी।

*प्रेस एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधियों को संबोधित करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।*

निदेशक संचार